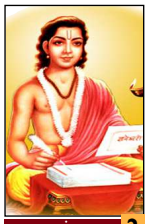

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 5 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, रविवार 7 जून, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

महात्मा ज्योतिबा फुले व माता सावित्री फुले सर्किल की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

टोंक (संस्कार सृजन)

टोंक जिला माली समाज के जिला अध्यक्ष पांचू लाल सैनी व समाज के पदाधिकारियों के द्वारा बुधवार को टोक जिला कलेक्टर टीना डाबी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया गया, जिसमें महात्मा ज्योतिबा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा स्थापित करने के लिए ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया गया है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले की 200 वी जयंती के उपलक्ष्य में पूरे देश में 11 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2028 तक 2 साल तक चलने वाली राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव की शुरुआत करने की घोषणा की गई। इस क्रम में पुनः विगत कई वर्षों से माली सैनी समाज जिला टोंक द्वारा देश के महापुरुष समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले एवं देश की प्रथम महिला

शिक्षिका समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले जी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए ज्ञापन प्रस्तुत करता आ रहा है, लेकिन माली सैनी समाज जिला टोंक की मांग पूरी नहीं हो रही है।

नगर परिषद टोंक द्वारा साधारण सभा में बरखेड़ा बाबा तिराहे का नामांतरण ज्योतिबा फुले सर्किल करने का प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका है। उक्त तिराहे पर केवल प्रतिमा स्थापित करने के लिए जगह आवंटन करना शेष है। माली सैनी समाज टोंक ने निम्न स्थानों पर लगाने की मांग की है- बरखेड़ा तिराया, सिविल लाइन टोंक, महात्मा ज्योतिबा फुले जी की प्रतिमा, मोदी की चौकी चौराहा टोंक ,माता सावित्रीबाई फुले जी की प्रतिमा लगाने की मांग की है ।

समाज के तहसील अध्यक्ष टोंक श्रीराम बडीवाल ,रामदयाल सैनी, पूर्व सदर अध्यक्ष शंकर लाल धुंवारिया, रामधन सैनी, लखन सैनी ,कल्याण बडीवाल, पवन सैनी ,पान मल सैनी, कमलेश सैनी, संजय सैनी, पीरु सैनी ,रामलाल सांखला,लक्ष्मण सैनी, रामफूल सांखला, टोनी सैनी, कानाराम सैनी ,पेंटर विजय जादम,किशन लाल सैनी, घासी कोतवाल आदि समाज के कई वरिष्ठ व युवा कार्यकर्ता ,पदाधिकारी मौजूद रहे ।

श्री गुरु प्रेरणा सत्संग मंडल ने गौशाला में भेजी चारे की गाड़ियाँ

चौमूं (संस्कार सृजन)। श्री गुरु प्रेरणा सत्संग मंडल चौमूं के तत्वावधान में गौसेवा एवं गौसंरक्षण के उद्देश्य से विभिन्न गौशालाओं में सूखे चारे का वितरण किया गया। मंडल द्वारा क्षेत्र की गौशालाओं में चारे की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह सेवा कार्य संपन्न कराया गया। विनेश डंगायच ने बताया कि मंडल द्वारा त्रिवेणी धाम गौशाला में 2 पिकअप गाड़ी, खेड़ापति आश्रम गौशाला, सामोद में 1 पिकअप गाड़ी, श्री संत नागा बाबा गौशाला, हाथनोदा में 1 पिकअप गाड़ी तथा श्री कृष्ण गोपाल गौचारा फाउंडेशन, चौमूं में 1 पिकअप गाड़ी, कुल 5 गाड़िया सूखे चारे की उपलब्ध करवाई गई। मंडल के सदस्यों ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा का आधार है। गौशालाओं में चारे की नियमित व्यवस्था हेतु समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। श्री गुरु प्रेरणा सत्संग मंडल भविष्य में भी गौसेवा, धार्मिक एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगा।

इस सेवा कार्य के दौरान मंडल के वरिष्ठ सदस्य एवं गौभक्त उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से राधेश्याम जांगिड़, ओमप्रकाश माधाणी, विनेश कुमार डंगायच, नरेन्द्र अग्रवाल, नाथू अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, राजेन्द्र शर्मा, मनोज जांगिड़, आलोक जांगिड़ एवं पवन माहेश्वरी उपस्थित रहे।

साइंस पार्क ऑडिटोरियम में सजी सुरों की महफ़िल, कुछ पल दिल से कार्यक्रम में गूंजे सदाबहार नगमे

जयपुर (संस्कार सृजन)। साइंस पार्क ऑडिटोरियम में सोनी म्यूजिकल ग्रुप की ओर से कुछ पल दिल से संगीत की महफ़िल का शानदार आयोजन किया गया। इस म्यूजिकल नाइट में शहर के उभरते और अनुभवी गायकों ने अपनी जादुई आवाज़ से समां बांध दिया। मुख्य अतिथि और स्वागत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुमावत महासभा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और RtAAO प्रमोद वर्मा बासनीवाल रहे ।

कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रुप के एडमिन व ज्योतिषाचार्य यश गौड़ ने मुख्य अतिथि प्रमोद का माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। मंच का कुशल और खूबसूरत संचालन मिस प्रगति ने किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण म्यूजिकल ग्रुप की फाउंडर जयश्री सोनी ने बताया कि इस महफ़िल में शहर के 40 गायकों ने अपनी बेहतरीन प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रमोद वर्मा और जयश्री सोनी का युगल गीत (डुएट) जन्म जन्म का साथ है हमारा तुम्हारा रहा। इसके अलावा प्रमोद और वीटा का गाया गाना अरे यार मेरी तुम भी हो गजब सुनकर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की

गड़गड़ाहट से गूंज उठा। नए-पुराने गानों का सफर महफ़िल में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार गीत गाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में गाए गए नगमे हम दोनों दो प्रेमी, इतना न मुझसे तू प्यार बढ़ा , एक प्यार का नगमा है,आज पुरानी राहों से कोई आवाज़ न दे, ना मुंह छुपा के जियो, तुम अगर मुझको न चाहो तो कोई बात नहीं,दीवानों से ये मत पूछो दीवाने पे क्या गुज़री है ।

इन कलाकारों ने बिखेरा आवाज़ का जादू- यश गौड़, नामदेव, विश्वबंधु, निकेश, मनीष, मेघराज, विद्या, नेहा, पारुल, कविता, देवेन्द्र, मोहन लाल, अनीता छाबरा, दिनेश, किशन मेघानी, नंदिता, नवलकिशोर, प्रतिभा, आनंद, सुरेश, सुरेन्द्र कुमार, रेखा, प्रीति प्रधान, और मरुनिशा सहित 40 गायक कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के समापन पर फाउंडर जयश्री सोनी ने मुख्य अतिथि, सभी संगीत प्रेमियों और गायक कलाकारों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने दिव्यांग मनीष शर्मा को भेंट की स्कूटी

जयपुर (संस्कार सृजन)। नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प को चरितार्थ करते हुए भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एक बार फिर संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है।

शर्मा ने ग्राम ईटावा भोपजी निवासी दिव्यांग मनीष शर्मा पुत्र विद्यासागर शर्मा को स्कूटी भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भरता का संबल प्रदान किया। मनीष शर्मा दिव्यांगता के कारण अपने आवागमन और रोजमर्रा के दैनिक कार्यों के लिए काफी परेशानी व संघर्षपूर्ण जीवन जीने को मजबूर थे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रामलाल शर्मा ने मनीष शर्मा का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें स्कूटी की चाबी सौंपकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। स्कूटी मिलने से अब मनीष का आवागमन सुगम हो सकेगा और वे अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने कार्य कर सकेंगे।

इस मौके पर रामलाल शर्मा ने कहा कि समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों की सहायता करना हम सभी का परम दायित्व है। अंत्योदय की भावना के साथ हर जरूरतमंद की राह को आसान बनाना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना ही हमारा मुख्य ध्येय है। उन्होंने विश्वास जताया कि

इस संबल से मनीष पूरे आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकेंगे।

ग्रामीणों और मनीष के परिवारजनों ने इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायक कदम बताया। रामलाल शर्मा ने कार्यक्रम में मिले अपार स्नेह, आत्मीय स्वागत और सम्मान के लिए सभी ग्रामवासियों व परिवारजनों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर भाजपा गोविंदगढ़ मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह शेखावत, सरपंच प्रतिनिधि राजकुमार सैनी, पूर्व सरपंच भगवान सहाय यादव, बाबू लाल बिसनालिया, रामेश्वर बिरानिया, रामावतार भिंडा, महेंद्र शर्मा, शैलेंद्र सिंह नाथावत, रामावतार जांगिड़, अजय सिंह नाथावत, भंवर सिंह, एवं मूलशंकर मेहता सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संपादकीय

सत्ता के बिना तिनका-तिनका हुई टीएमसी

इस व्यवस्था में एक पूरा नैकसिस बन जाता है। वह नैकसिस सत्ता के बल पर आम जनता में अपना आतंकवाद जमाता है, उसी के बल पर संगठन या गिरोह को जिताता है और उसके बाद अपनी हिस्सेदारी मांगता है। बंगाल में ममता बैनर्जी के राज में लगभग यही व्यवस्था स्थापित हो गई थी। लेकिन जैसे ही सत्ता हाथ से फिसली, वैसे ही चन्द दिनों में ही ममता बैनर्जी की राजनीतिक मशीन के कल पुर्जे गलियों में और सड़कों पर बिखरने लगे। यह स्वाभाविक ही था। संघर्ष करने की ऊर्जा विचार से आती है, सत्ता से नहीं। जिस दल की कोई विचारधारा नहीं होती, जिसका लक्ष्य केवल सत्ता हथियाना होता है, उस दल में टूट फूट स्वाभाविक मानी जाती है। ममता बैनर्जी ने तानाशाही तरीके से शासन किया। भ्रष्टाचार के कई आरोप भी इस दल के नेताओं पर लगे। यह भी उल्लेखनीय है कि ममता बैनर्जी ने पश्चिम बंगाल में केंद्र की योजनाओं को लागू ही नहीं किया। इससे बड़ी संख्या में जनता कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने से वंचित रह गई। इंडिया गठबन्धन में ममता बैनर्जी को सबसे ताकतवर माना जाता था। वे अपने दम पर पिछले पन्द्रह साल से सत्ता पर काबिज थीं। उन्होंने बंगाल की शक्तिशाली पार्टी सीपीएम, जो लगातार पैंतीस साल से बंगाल पर एक छत्र राज कर रही थी, को पराजित किया था। कांग्रेस को बंगाल में धूल चटा दी थी। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में वे हार गई। लेकिन हार का अर्थ यह नहीं कि सीपीएम और कांग्रेस की तरह वह शून्य पर सिमट गई। विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस को अस्सी सीटें प्राप्त हुईं। अभी भी संसद में उसके पास चालीस के आसपास सांसद हैं। लेकिन उसके पास इस बार केवल एक चीज छिन गई। ममता बैनर्जी इतने विधायक नहीं जिता पाई कि वे चौथी बार मुख्यमंत्री बन सकें। यह भी कोई अनोखी बात नहीं है। राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। इसलिए राजनीति में इसे सामान्य घटना ही माना जाता है। आखिर कांग्रेस ही कितने साल से लगातार हार रही है। चार प्रदेशों को छोड़ कर वह किसी भी प्रदेश में सत्ता में नहीं है। केरल में दस साल बाद सीपीएम सत्ता से बाहर हो गई है। लेकिन पार्टी सामान्य तरीके से काम-काज कर रही है। पर तृणमूल कांग्रेस के मामले में बिल्कुल उलटा हो रहा है। सत्ता की डोर टूटते ही मानो भूकम्प आ गया हो। तृणमूल की कायनात हिल गई हो। जगह जगह नगरपालिकाओं से, पंचायतों से, नगर निगमों से तृणमूल के सदस्य ममता को अपने इस्तीफे भेज रहे हैं। यहां तक कि कोलकाता नगर निगम के महापौर हकीम साहिब ने भी ममता से क्षमा मांग कर महापौर के पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि निगम में तृणमूल का बहुमत अभी भी है। तृणमूल के जिन नेताओं ने सरकारी स्कीमों का लाभ देने के लिए लाभार्थियों से कट मनी (रिश्वत) ली थी, वे लाउडस्पीकर लगा कर सार्वजनिक रूप से वह वापस कर रहे हैं। जिन भवनों पर तृणमूल के लोगों ने वर्षों से बलपूर्वक कब्जा कर रखा था, वे स्वयं खाली कर रहे हैं। कोलकाता में पार्टी के एक प्रवक्ता ने, जो मीडिया में गाली गलौज की भाषा में धमकाता रहता था, उसने यह कहते हुए क्षमा मांग ली कि यह उसे पार्टी के आदेश पर करना पड़ रहा था। ममता बैनर्जी को शायद इतने पर भी इस बात का अंदाजा नहीं हो पाया कि बंगाल की आम जनता उनके कितनी खिलाफ है। दो दिन पहले उसने ऐलान कर दिया कि वे विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगी, जैसा कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए प्रायः करती रहती थीं। लेकिन उनके इस विरोध प्रदर्शन में जनता तो क्या, पार्टी के सांसद व विधायक भी नहीं पहुंचे। मीडिया और सुरक्षा बलों के लोग ज्यादा थे, आम जनता कम थी। जनता के आक्रोश की स्थिति यह हो गई कि पार्टी के नेताओं का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। ममता बैनर्जी खुद कोर्ट पहुंची तो लोगों ने चोर चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, ममता बैनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि पार्टी की ओर से विधानसभा में विधायक दल का नेता सेवन देव चट्टोपाध्याय विपक्ष का नेता होगा। लेकिन पार्टी के अस्सी में से 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि उनका नेता ऋत्ब्रत होगा न कि चट्टोपाध्याय। विधानसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर ऋत्ब्रत को विपक्ष के नेता के तौर पर मान्यता दे दी। ममता ने लोकसभा में कल्याण मुखर्जी को पार्टी का नेता मनोनीत किया, लेकिन पार्टी की ही एक महिला सांसद ने अध्यक्ष को लिखा कि मुखर्जी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। लेकिन क्या कारण है कि पन्द्रह साल की सत्ता, संसद में चालीस सदस्य, विधानसभा में अस्सी विधायक, इस सबके बावजूद पार्टी ताश के पत्तों की तरह क्यों बिखर गई? दरअसल जब कोई पार्टी राजनीतिक न रह कर, सत्ता के बल पर केवल लूट-खसोट करने का गिरोह मात्र बन जाए, तो सत्ता का गोंद हटते ही उसका बिखरना स्वाभाविक ही है।

नाटकवाला कला मंच पर खेला गया नाटक पतंग और पेड़

आमेर (संस्कार सृजन)

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नाटकवाला कला मंच, आमेर द्वारा प्रकृति और मानवीय संवेदनाओं को समर्पित बाल नाटक पतंग और पेड़ का सफल मंचन किया गया। इस मार्मिक नाटक का लेखन एवं निर्देशन रंगकर्मी ओम प्रकाश सैनी द्वारा किया गया।

नाटक दर्शकों को एक ऐसी भावनात्मक यात्रा पर ले गया, जिसमें एक ओर गरीब बालक राजू है, जिसके पास पतंग खरीदने तक के पैसे नहीं हैं, लेकिन उसे पतंग उड़ाने का हुनर आता है। दूसरी ओर अमीर बालक मोनू है, जिसके पास पतंग, डोर और चरखी सब कुछ है, लेकिन वह पतंग उड़ाना नहीं जानता। हर बार उसकी पतंग घर के बाहर खड़े विशाल नीम के पेड़ में फंस जाती है, जिससे परेशान होकर वह अपने माता-पिता से पेड़ कटवाने की जिद करता है।

उधर राजू उसी नीम के पेड़ को अपनी खुशियों का सहारा मानता है। वह भगवान से प्रार्थना करता है कि पेड़ में खूब पतंगें फंस जाएं ताकि वह उन्हें उतारकर उड़ा सके। लेकिन मोनू की जिद के आगे आखिरकार पेड़ काट दिया जाता है। अगले दिन जब राजू वहां पहुंचता है और पेड़ को कटा हुआ देखता है तो उसकी आंखें नम हो जाती हैं। वह दुखी होकर भगवान से शिकायत करता है कि उसने तो पेड़ में पतंग फंसने की प्रार्थना की थी, पेड़ कटने की नहीं।

नाटक का सबसे भावुक दृश्य तब आता है जब निराश होने के बजाय राजू उसी स्थान पर एक नया पौधा लगाने का निर्णय लेता है। उसका विश्वास होता है कि एक दिन यह पौधा बड़ा होकर फिर से पेड़ बनेगा और उसकी पतंगों का साथी बनेगा। राजू की यह सोच मोनू और उसके पिता को अपनी गलती का एहसास कराती है। अंततः मोनू अपने किए पर पछताता है, अपनी पतंग राजू को सौंप देता है और उससे पतंग उड़ाना सीखने का आग्रह करता है। इसके बाद दोनों बच्चे मिलकर पतंग उड़ाते हैं और एक नए मित्रता एवं पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ नाटक का समापन होता है। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पेड़ केवल लकड़ी नहीं, बल्कि जीवन, स्मृतियों, खुशियों और आने वाली पीढ़ियों की उम्मीद होते हैं। एक बच्चा अपनी सुविधा के लिए पेड़ कटवा देता है, जबकि दूसरा बच्चा अपनी खुशी के लिए नया पेड़ लगाता है। यही सोच पर्यावरण संरक्षण की वास्तविक भावना को दर्शाती है।

नाटक में मुख्य अभिनय स्वयं ओम प्रकाश सैनी ने किया। बाल कलाकारों में दीपशिखा सैनी, खुशांक सैनी, लक्षित सैनी, आयुष्मान सैनी, युग सैनी एवं अवनी सैनी ने प्रभावशाली अभिनय कर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

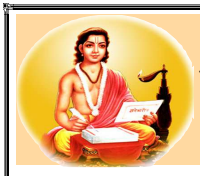

अमूल्य ज्ञान का बोध

* सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

* अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

* नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

* 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

* 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

* नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

* चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

* सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

* 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड़ पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

* सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

नवम शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती 30 जुलाई को

जयपुर (संस्कार सृजन)

शहर के प्राचीन गढ़ परिसर स्थित सीताराम जी मंदिर में आज शनिवार को विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 30 जुलाई 2026 को करणी वाटिका, मोरीजा रोड, चौमू में आयोजित होने वाले नवम सामूहिक शिव पार्थिव महारुद्राभिषेक एवं महाआरती कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई।

बैठक प्रदेश संरक्षक डॉ. ओमप्रकाश शर्मा के सानिध्य एवं प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पंडित ईश्वरदास शर्मा एवं पंडित अरुण कुमार शर्मा ने कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से आचार्य राकेश शर्मा को मुख्य आचार्य, पंडित मनोज शर्मा को उपाचार्य तथा पंडित श्याम सुंदर भातरा को सह-आचार्य का दायित्व सौंपा। प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं, जैसे टेंट, पूजन सामग्री, अल्पाहार एवं भोजन आदि की जिम्मेदारियां अलग-अलग सदस्यों को सौंपी गई हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं आध्यात्मिक गरिमा के अनुरूप आयोजित करने के लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं।

बैठक में चंद्रप्रकाश शर्मा, डॉ. सी.एम. सैनी, डॉ. एम.के. अग्रवाल, नरेंद्र सिंह सोलंकी, डॉ. पवन कुमार तिवाड़ी, मुकेश लालानी, श्रीराम बटवाल, डॉ. सीताराम कुमावत, दामोदर प्रसाद खांडल, वैद्य रामविलास शर्मा, त्रिलोक शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- यह समय आपके लिए भागदौड़ भरा रह सकता है। काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन मेहनत का फायदा भी मिलेगा। घर-परिवार का सहयोग मिलेगा। पैसों को लेकर थोड़ा संभलकर चलना बेहतर रहेगा।

वृषभ- इस समय आपके कुछ रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। नौकरी और कारोबार में स्थिति पहले से बेहतर नजर आ रही है। परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बीत सकता है। मन भी काफी हल्का महसूस होगा।

मिथुन- मिथुन राशि वालों के लिए यह समय अच्छी खबर लेकर आ सकता है। किसी पुराने प्रयास का फायदा मिल सकता है। कामकाज में आपकी तारीफ हो सकती है। दोस्तों का साथ भी मिलेगा।

कर्क- इस समय जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें। काम धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा। परिवार के किसी सदस्य की सलाह आपके काम आ सकती है। सेहत पर भी थोड़ा ध्यान देने की जरूरत है।

सिंह- सिंह राशि वालों के लिए यह समय अच्छा रह सकता है। नौकरी और कारोबार में कुछ नए मौके मिल सकते हैं। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। किसी खास काम में सफलता मिलने के संकेत हैं।

कन्या- यह समय मेहनत वाला रह सकता है। काम ज्यादा रहेगा, लेकिन उसका फायदा भी मिल सकता है। खर्चों पर नजर रखना जरूरी होगा। परिवार का साथ आपको राहत देगा।

तुला- तुला राशि वालों के लिए यह समय राहत भरा रह सकता है। कुछ अच्छे मौके हाथ लग सकते हैं। कारोबार करने वालों को फायदा मिलने की उम्मीद है। घर का माहौल भी खुशहाल रहेगा।

वृश्चिक- इस समय आपको धैर्य के साथ काम लेना होगा। जल्दबाजी से नुकसान हो सकता है। कामकाज सामान्य रहेगा। किसी पुराने दोस्त से बात हो सकती है, जिससे मन खुश रहेगा।

धनु- धनु राशि वालों के लिए यह समय अच्छा रहने की उम्मीद है। नई योजना पर काम शुरू कर सकते हैं। नौकरी और पढ़ाई से जुड़े लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आर्थिक स्थिति भी ठीक रहेगी।

मकर- यह समय आपके लिए फायदे वाला साबित हो सकता है। कामकाज में अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। धन के मामले में भी स्थिति मजबूत रहने के संकेत हैं।

कुंभ- कुंभ राशि वालों को इस समय सोच-समझकर कदम बढ़ाने की जरूरत है। किसी भी बात पर जल्द प्रतिक्रिया देने से बचें। काम में मेहनत बनी रहेगी और धीरे-धीरे उसका फायदा भी मिलेगा।

मीन- मीन राशि वालों के लिए यह समय अच्छा रह सकता है। परिवार और दोस्तों का साथ मिलेगा। मनचाहा काम पूरा होने से खुशी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में भी राहत मिलने के संकेत हैं।

एक नई शुरुआत

प्रभाती लाल सैनी

सोमनाथपुर गाँव के मोड़ पर स्थित एक छोटी सी मिट्टी की कुटिया में 55 वर्षीय दीनानाथ रहते थे। कभी वे अपने इलाके के सबसे बेहतरीन मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कलाकार माने जाते थे। उनके बनाए बर्तनों की खनक दूर-दूर तक गूंजती थी। लेकिन समय बदला और बाजार प्लास्टिक, स्टील और चीनी मिट्टी के बर्तनों से भर गया। धीरे-धीरे लोगों ने मिट्टी के बर्तनों को भूला दिया। दीनानाथ का काम ठप हो गया और उनके जीवन में एक गहरा सन्नाटा पसर गया। वह निराश होकर अपने चाक (पहिए) को देखते और सोचते कि शायद अब उनकी कला की कोई कीमत नहीं बची। वे आर्थिक तंगी से घिर गए और उनके भीतर का उत्साह पूरी तरह खत्म हो चुका था। वे मान चुके थे कि अब उम्र के इस पड़ाव पर वे कुछ नया नहीं कर सकते।

एक दिन, गाँव के स्कूल में पढ़ने वाला उनका 12 साल का पोता, आरव, दौड़ता हुआ घर आया। उसके हाथ में एक सुंदर, रंगीन और चमकदार मिट्टी का खिलौना था। आरव ने कहा, दादाजी, देखिए! मेरी क्लास के एक लड़के ने यह शहर से खरीदा है। क्या आप मेरे लिए ऐसा कुछ बना सकते हैं? हमारे स्कूल में अगले हफ्ते हस्तशिल्प प्रदर्शनी है।

दीनानाथ ने उस खिलौने को हाथ में लिया। वह था तो मिट्टी का ही, लेकिन उस पर आधुनिक रंगों और कलाकृति का एक नया पुट था। आरव की आँखों में एक उम्मीद थी। दीनानाथ के दिल में वर्षों से सोई हुई कला की चिंगारी अचानक सुलग उठी। उन्होंने सोचा, अगर कला का रूप बदल गया है, तो मुझे भी अपनी सोच बदलनी होगी। अगली ही सुबह, दीनानाथ ने सालों से धूल खा रहे अपने चाक को साफ किया। उन्होंने पुरानी पारंपरिक मटकियों के बजाय कुछ नया बनाने की कोशिश की। उन्होंने मिट्टी से आधुनिक ज़माने के सुंदर फ्लावर वास, टेराकोटा की मूर्तियाँ और छोटे-छोटे कलात्मक दीये बनाना शुरू किया। आरव ने अपनी चित्रकारी के शौक का इस्तेमाल करते हुए उन बर्तनों पर चमकीले और आकर्षक रंगों से आधुनिक डिज़ाइन बनाए। दोनों की यह जुगलबंदी कमाल की थी। हफ्ते भर की कड़ी मेहनत के बाद, दीनानाथ ने कुछ ऐसे अनोखे बर्तन और सजावटी सामान तैयार किए, जो पारंपरिक होते हुए भी बेहद आधुनिक दिख रहे थे।

आरव उन सामानों को अपने स्कूल की प्रदर्शनी में ले गया। वहां मुख्य अतिथि के रूप में शहर के एक बहुत बड़े उद्योगपति आए थे। जब उनकी नज़र दीनानाथ के बनाए बर्तनों पर पड़ी, तो वे दंग रह गए। उन्हें मिट्टी के बर्तनों में छिपी वह असीम कला और आधुनिकता का मेल बेहद पसंद आया। उन्होंने तुरंत आरव से उसके दादाजी का पता माँगा। अगले ही दिन, वह उद्योगपति दीनानाथ की कुटिया पर पहुँचे। उन्होंने दीनानाथ की कला की सराहना की और उन्हें शहर के एक बड़े मॉल में अपनी कला की प्रदर्शनी लगाने का निमंत्रण दिया, साथ ही एक बड़ा ऑर्डर भी सौंपा।

दीनानाथ की आँखों में खुशी के आँसू थे। उन्होंने महसूस किया कि उम्र का कोई भी पड़ाव हो, अगर इंसान अपनी सोच को बदलने और मेहनत करने को तैयार रहे, तो रास्ते अपने आप बन जाते हैं। इस नई शुरुआत ने दीनानाथ को न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि उनकी खोई हुई पहचान और आत्मविश्वास को भी वापस लौटा दिया। इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि परिस्थितियाँ और समय चाहे कितना भी बदल जाए, यदि हम अपनी कला, हुनर और सोच को समय के साथ ढालने का हौसला रखें, तो कामयाबी की एक नई कहानी हमेशा लिखी जा सकती है। उम्र और वक्त कभी भी नई शुरुआत के आड़े नहीं आते।

अभिनेत्री स्टेफी रजपूत बॉलीवुड में नई पहचान बनाने को तैयार

मुंबई (संस्कार सृजन)। स्टेफी रजपूत महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के पेठ वडगांव की रहने वाली हैं। खूबसूरती, आत्मविश्वास और शानदार व्यक्तित्व की धनी स्टेफी अब बॉलीवुड और टॉलीवुड इंडस्ट्री में बतौर अभिनेत्री अपना डेब्यू करने जा रही हैं। कुछ फिल्मों, म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज़ को लेकर बातचीत चल रही है, जिनके जरिए वह जल्द ही बड़े पर्दे पर अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराएंगी।

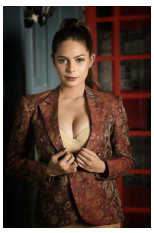

स्टेफी रजपूत को बचपन से ही फिल्मों और अभिनय का बेहद शौक रहा है। उन्होंने अपनी ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद अपने सपनों को उड़ान देने के लिए मायानगरी मुंबई का रुख किया। इस सफर में उन्हें अपने परिवार का पूरा सहयोग मिला, जिसने उनके आत्मविश्वास को और मजबूत बनाया। स्कूल के दिनों से ही स्टेफी बहुमुखी प्रतिभा की धनी रही हैं। वह हमेशा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं और डांस उनका सबसे बड़ा पैशन रहा है। उनकी प्रतिभा और स्क्रीन प्रेजेंस को देखकर कई लोगों ने उन्हें अभिनय की दुनिया में कदम रखने की सलाह दी। हालांकि यह सफर आसान नहीं था, लेकिन स्टेफी ने मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास के दम पर खुद को इस इंडस्ट्री के योग्य बनाया। अपने अभिनय कौशल को निखारने के लिए उन्होंने प्रोफेशनल एक्टिंग क्लासेज भी कीं। इसके अलावा उन्होंने प्रिंट, कैटलॉग और विज्ञापनों के लिए मॉडलिंग भी की है, जहां उनके काम को काफी सराहना मिली।

स्टेफी अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और अभिनेता शाहरुख खान से बेहद प्रभावित हैं। उनकी फिल्म 'ओम शांति ओम' देखकर ही स्टेफी के मन में अभिनेत्री बनने का सपना और मजबूत हुआ। वर्तमान में उन्हें रणवीर सिंह और रणबीर कपूर की अभिनय शैली बेहद पसंद है। वैसे तो स्टेफी हर तरह के किरदार निभाने में विश्वास रखती हैं, लेकिन रोमांटिक, मजबूत महिला प्रधान और एक्शन से भरपूर फिल्मों की ओर उनका विशेष झुकाव है। निर्देशक संजय लीला भंसाली और फराह खान की फिल्मों के साथ-साथ धर्मा प्रोडक्शंस के प्रोजेक्ट्स उन्हें बेहद पसंद हैं और वह भविष्य में उनके साथ काम करने की इच्छा रखती हैं। स्टेफी रजपूत का मानना है कि बिना किसी गॉडफादर के फिल्म इंडस्ट्री में आना और खुद को स्थापित करना आसान नहीं होता। इसके लिए संघर्ष, धैर्य और लगातार मेहनत बेहद जरूरी है। उनका कहना है कि आज के डिजिटल दौर में प्लेटफॉर्म्स नए कलाकारों को अवसर जरूर देते हैं, लेकिन सफलता पाने के लिए समर्पण और निरंतर सीखते रहना बहुत जरूरी है। वह कहती हैं कि अगर शुरुआत में छोटे लेकिन अच्छे प्रोजेक्ट्स भी मिलें, तो उन्हें पूरी मेहनत और ईमानदारी से करना चाहिए। इससे न सिर्फ अभिनय कौशल बेहतर होता है, बल्कि मायानगरी मुंबई में खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाए रखने में भी मदद मिलती है। स्टेफी का मानना है कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए धैर्य सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि मुंबई कभी मेहनत करने वालों को निराश नहीं करती।

सम्मान समारोह में 1400 से अधिक छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

विधायक मनीष यादव ने आयोजित किया कार्यक्रम

शाहपुरा (संस्कार सृजन)। क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विधायक मनीष यादव द्वारा नायन स्थित परसराम प्रभात गार्डन में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10 वीं एवं 12वीं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

समारोह में अमरसर, नायन, कलवानियो का बास, मारखी, हनुतिया, राडावास, जगतपुरा, शिवसिंहपुरा, पठानों का बास, हनुतपुरा,करीरी, रानीपुरा-जोधपुरा, मुरलीपुरा ग्राम पंचायतों के 1400 से अधिक विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विधायक ने विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान कर उनके उवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में महाराज कालीदास ने विद्यार्थियों को अपने आशीर्वचनों से प्रेरित करते हुए शिक्षा, संस्कार और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विधायक मनीष यादव ने कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का सबसे सशक्त आधार है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का गौरवगान नहीं, बल्कि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। ऐसे सम्मान समारोह विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने का उत्साह पैदा करते हैं। कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और अनुशासन को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विधायक यादव ने सभी विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर अपने माता-पिता, विद्यालय, समाज, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन करें तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर RAS नरेंद्र सैनी, प्रमुख उद्यमी विकास यादव, सेवानिवृत्त कर्नल हनुमान शेखावत, प्रोफेसर प्रह्लाद वर्मा, प्रोफेसर मुरलीधर गुर्जर, असेस्टेंट प्रोफेसर कृष्ण यादव ने विद्यार्थियों को करियर के प्रति जागरूक करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष नाथु सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष मुकेश गुर्जर , नगर अध्यक्ष मुकेश खुड़ानिया, पूर्व चेयरमैन प्रेम देवी, संगठन मंत्री रामेश्वर, मण्डल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, श्रवण, गोपाल सेपट, सरपंच रवि, सरपंच सुरज्ञान, संगठन मंत्री इमरान, NSUI जिला अध्यक्ष निहाल पलसानिया, छाजू सैनी, ओमप्रकाश डूडी, शंकर सैनी, बीरबल गुर्जर, मुरलीधर बाडिगर, रामपाल यादव, ओमप्रकाश डूडी, दीपेश, बीएल सैनी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौमूं नगर परिषद में जनगणना कार्य सर्किल क्षेत्र 20 ने हासिल किया प्रथम स्थान

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं नगर परिषद क्षेत्र में जनगणना 2027 के तहत उत्कृष्ट कार्य करने पर एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। चार्ज जनगणना अधिकारी एवं नगर परिषद आयुक्त दिलीप कुमार शर्मा और अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी संदीप सिंह कविया के नेतृत्व में चौमूं नगर परिषद परिक्षेत्र ने संपूर्ण क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार उपलब्धि पर सुपरवाइजर सर्किल क्षेत्र संख्या 20 के उत्कृष्ट कार्य की सराहना की गई। समारोह में चार्ज जनगणना अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा, अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी संदीप सिंह कविया और ऑपरेटर दुष्यंत शर्मा द्वारा सर्किल 20 के सुपरवाइजर राकेश कुमार सोनी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही क्षेत्र में घर-घर जाकर सटीक आंकड़े जुटाने वाले प्रगणक राघव शर्मा, महेंद्र कुमार बागोरिया, तेज प्रकाश शर्मा, सांवरमल जांगिड़, निरंजन लाल सैनी और रिजवाना को उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली और समर्पण के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने पूरी टीम को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी।

कचोलिया रोड पर जलभराव की समस्या को लेकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को सौंपा ज्ञापन

जयपुर (संस्कार सृजन)

नगर परिषद चौमूं के कचोलिया रोड के स्थानीय निवासियों ने रविवार को सुभाष सर्किल स्थित कार्यालय पर भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने कचोलिया रोड मार्ग पर लंबे समय से व्याप्त बुनियादी सुविधाओं के अभाव और विकट समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु एक ज्ञापन सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में नागरिकों ने बताया कि कचोलिया रोड वर्तमान में जलभराव के कारण बेहद दयनीय स्थिति में है। कचोलिया रोड पर पानी की निकासी की कोई सुदृढ़ व्यवस्था नहीं है। सामान्य बारिश के दौरान भी पूरी सड़क पर गंदा और वर्षा का पानी हमेशा भरा रहता है। कीचड़ और लगातार जलभराव के कारण आमजन का पैदल चलना और वाहनों का आना-जाना पूरी तरह दूभर हो चुका है। इस विकट समस्या से कचोलिया रोड के स्थानीय

दुकानदारों का व्यापार भी पूरी तरह ठप हो गया है। अतः यहाँ जल निकासी हेतु एक सुव्यवस्थित और पक्के नाले का निर्माण कराया जाए साथ ही वर्तमान समय में यह मुख्य सड़क पूरी तरह टूट चुकी है और जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के कारण आए दिन गंभीर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जनता की सुरक्षा और सुविधा के लिए इस पूरी सड़क का यथासंभव चौड़ाई के साथ नए सिरे से पुनर्निर्माण करवाया जाए। सड़क और गहरे गड्ढों में लगातार गंदा पानी जमा रहने के कारण पूरे क्षेत्र में मच्छरों का भारी प्रकोप फैल गया है।

इससे स्थानीय निवासियों और वहाँ से गुजरने वाले नागरिकों में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी घातक व संक्रामक बीमारियों के फैलने की गंभीर आशंका बनी हुई है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने नागरिकों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता और ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को मौके पर बुलाकर तुरंत समस्या का समाधान करने और जल्द से जल्द नाला व सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करवाने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर कचोलिया रोड पर स्थित अशोक विहार, मगध नगर ,बौद्ध विहार ,नीलकंठ विहार , गणेश विहार, लक्ष्मी विहार, विष्णु विहार स्थित कालोनी के नागरिकों ने मिलकर ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर नगर पालिका पूर्व अध्यक्ष आशीष दुसाद, सुरेश विजयवर्गीय पार्षद मुकेश सिद्ध, महावीर शर्मा, एड. सुनील उप्पल, बंशीधर डागर, राज कुमार बराला, रामस्वरूप नासना, अशोक चौधरी, रामेश्वर नासना, हजारी प्रसाद जांगिड़, सोहन लाल जागिड़, माधव प्रसाद शर्मा, गोविंद झालानी, सोनू कामदार, निलेश सर्राफ, दिनेश अग्रवाल, डॉ. सुमन चौधरी, अजय शर्मा, विकाश शर्मा, दिनेश शर्मा, राम मनोहर शर्मा, रूपेश जांगिड़, मुकेश खांडल सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

श्री राधे राधे माँ पुष्पा फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

जयपुर (संस्कार सृजन)। करधनी सेंटर पार्क में श्री राधे राधे माँ पुष्पा फाउंडेशन के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान का सफल आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पार्क में स्वच्छ एवं शुद्ध वातावरण के लिए पौधारोपण किया गया। सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट आर.के. शर्मा ने की। इस अवसर पर पंडित मनोज कुमार शर्मा, संस्थापक श्री श्रवण लाल शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, अर्पित जैन, जितेंद्र शर्मा, मुकेश सैनी, भवानी सिंह, सुरेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, महेश यादव, उमा शंकर शर्मा (अंकित शर्मा), रोहित अजमेरा, जोगेंद्र सिंह सावरदा एवं धीरज कश्यप सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि एक पेड़ माँ के नाम, एक पेड़ आने वाली पीढ़ियों के नाम लगाकर पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाएंगे।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझौली में भारतीय भाषा समर कैंप का हुआ समापन

रुड़की (संस्कार सृजन)। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझौली में भारत सरकार के मंत्रालय के आदेशानुसार 27 मई से चल रहे कार्यक्रम व भाषा कैंप का समापन किया गया।

भारतीय भाषा समर कैंप के संयोजक मुख्य संदर्भ व्यक्ति डॉ.अशोक पाल सिंह ने छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय भाषा समर कैंप का मुख्य उद्देश्य- भारतीय भाषाओं के प्रति रुचि एवं मातृभाषा के प्रति सम्मान, प्रेम, भाषा कौशल व क्षमताओं को बेहतर बनाना है।

भारतीय सांस्कृतिक लोक कथाओं, परंपराओं, स्थानीय विरासत, रचनात्मक नाटक, कहानी गतिविधियों तथा नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों पर आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित कर भारतीय भाषाओं का संरक्षण एवं सम्मान, राष्ट्रीय एकता और परंपरा से जोड़ना आदि गतिविधियाँ कराई गई। भारतीय भाषा समर कैंप की थीम भारतीय भाषाओं के माध्यम से बहुभाषिक, सांस्कृतिक एकता और अनुभवात्मक को बढ़ावा देना है थी।

इस अवसर पर भाषा के मुख्य संदर्भ व्यक्ति (भाषा शिक्षक) डॉ.अशोक पाल सिंह, सुधीर सैनी, इसराना खातून, आफरीन, आंतिका, सानिया, शमा, निशा, गोपी, वंश, रितिक, रिहान, शिवा, कृष्णा, जीतिन शर्मा, प्रतिभा, वसीम आदि ने प्रतिभाग किया।

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारियों ने SDM व BDO को सौंपा ज्ञापन, 8 सूत्रीय मांगों पर आंदोलन का ऐलान

जयपुर (संस्कार सृजन)

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन ने आज अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम चौमूं उपखंड अधिकारी आशीष शर्मा एवं पंचायत समिति गोविंदगढ़ विकास अधिकारी रितु भोजवानी को ज्ञापन सौंपा।

संगठन के प्रदेश महामंत्री पुरुषोत्तम टेलर ने बताया कि पंचायतीराज विभाग 2013 की भर्ती की जांच के नाम पर पिछले कई वर्षों से लगभग 16,000 मंत्रालयिक कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को लंबित रखे हुए है। विभाग द्वारा भ्रामक रिपोर्ट भेजकर कर्मचारियों के हितों को दबाया जा रहा है।

प्रमुख मांगें

1. जूनियर असिस्टेंट का ग्रेड पे 2800 से बढ़ाकर 3600 किया जाए।
2. विकास अधिकारी के 50% पद मंत्रालयिक संवर्ग से पदोन्नति द्वारा भरे जाएं।
3. कैडर रिस्ट्रक्चरिंग कर 56.01% पदोन्नति पद सृजित किए जाएं।
4. मंत्रालयिक कर्मचारियों को हार्ड ड्यूटी भत्ता व अतिरिक्त कार्य भत्ता दिया जाए।

आंदोलन की चेतावनी- संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि मांगें नहीं मानी गई तो 1 जून से ब्लॉक स्तर पर ज्ञापन, 8 जून को जिला कलेक्टर को ज्ञापन, 10 से 16 जून तक पूर्ण कलमबंद हड़ताल, 25 जून को जयपुर कूच, 1 जुलाई से DPI कार्य का अनिश्चितकालीन बहिष्कार तथा 7 जुलाई को मुख्यमंत्री का घेराव व जलमहल में सामूहिक जल समाधि लेंगे।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष अशोक कुमार निठारवाल, ब्लॉक अध्यक्ष कमल शर्मा, नत्थू सिंह , कमलेश वर्मा,विनोद कुमार लखेरा,राम लाल जाट,शेफाली शर्मा,कृपा मीणा,रेखा शर्मा ,सुमन चौधरी ,सुमन यादव ,सुमन कुमारी यादव ,संतरा चौधरी ,शीतल चौधरी, मदन लाल सैनी सहित बड़ी संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय सहरिया पीजी महाविद्यालय में भूगोल की प्रायोगिक परीक्षा 10 जून को

चौमूं (संस्कार सृजन)। सेठ आर.एल. सहरिया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कालाडेरा बी.ए.पार्ट III नियमित एवं पूर्वछात्र तथा स्वयंपाठी के भूगोल विषय की स्नातक कला एवं विज्ञान के वार्षिक पद्धति) विद्यार्थियों की भूगोल प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 10.06..2026 को प्रातः 09.30 बजे आयोजित की जा रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जय भारत सिंह ने बताया कि भूगोल विषय में विभाग द्वारा नियमित एवं पूर्वछात्र तथा स्वयंपाठी विद्यार्थियों की स्नातक कला एवं विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की जाएंगी। इस प्रायोगिक परीक्षा के अन्तर्गत कुल 119 नियमित एव पूर्वछात्र तथा स्वयंपाठी विद्यार्थी 09 बैच में सम्मिलित होंगे।

भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ बी.सी जाट ने बताया कि (स्नातक) कला एवं विज्ञान पार्ट III के नियमित एवं पूर्वछात्र तथा स्वयंपाठी विद्यार्थियों को अपना परिचय पत्र, प्रायोगिक परीक्षा प्रवेश पत्र कैम्प प्रमाण पत्र, सम्बन्धित की फाईल आवश्यक रूप से साथ लाना अनिवार्य होगा ।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी